This question paper contains 3 printed pages.

7853 *Your Roll No.* .....

Certificate

A

PALI

Paper I— Selected Texts

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt all questions. All questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What do you mean by *Jātaka*? How many are they? Wait the summary on *Sasa-Jātaka*?

   जातक से आप क्या समझते हैं? वे कितने हैं? सस-जातक पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए?

   Or (अथवा)

   What is the significance of *Dhammapada*? Describe the place and position of *Dhammapada* in the Pāli literature.

   धम्मपद का क्या महत्त्व है? पालि साहित्य में धम्मपद का स्थान का वर्णन कीजिए।

2. Present the content of '*Daṇḍavagga*' as described in the *Dhammapada*?

   धम्मपद में वर्णित 'दण्डवग्ग' की विषयवस्तु का सारांश प्रस्तुत कीजिये?

Give an account of the '*Lokavagga*' and justify its name with illustrations?

'*लोकवग्ग*' की विषयवस्तु का विवरण देते हुए नामकरण के औचित्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिये?

3. Write a descriptive note on the *Mettasutta* according to the *Khuddakapāṭha*.

'*खुद्दकपाठ*' के अनुसार '*मेत्तसुत्त*' पर विवरणात्मक लेख लिखिए।

Or (अथवा)

Enumerate and describe the most auspicious deeds as advised by the Buddha.

बुद्ध द्वारा उपदिष्ट मंगल कर्मों की संख्या तथा उन सबका वर्णन कीजिए।

4. Write short notes on any *four* of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए:

(i)	Pāramitā	(पारमिता)
(ii)	Sīlaṃ	(सीलं)
(iii)	Nibbāna	(निब्बाण)
(iv)	Second Council	(द्वितीय संगीति)
(v)	Khuddakapāṭha	(खुद्दकपाठ)
(vi)	Vasalasuttaṃ	(वसलसुत्तं)
(vii)	Paññā	(पञ्ञा)
(viii)	Samādhi	(समाधि)
(ix)	Māra	(मार)

5. Explain with reference to the context any *two* of the following verses:

निम्न में से किन्हीं दो गाथाओं की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(a) Yathā agāraṃ succhannaṃ vuṭṭhi na samativijjhati ।
Evaṃ subhāvitaṃ cittaṃ rāgo na samativijjhati ॥
यथागारं सुच्छन्नं वुट्ठि न समतिविज्झति ।
एवं सुभावितं चित्तं रागो न समतिविज्झति ॥

(b) Sārañca sārato ñatvā asārañca asārato ।
Te sāraṃ adhigacchanti sammāsaṃskappagocarā ॥
सारञ्च सारतो ञत्वा असारंञ् च असारतो ।
ते सारं अधिगच्छन्ति सम्मासंकप्पगोचरा ॥

(c) Yathā daṇḍena gopālo gāvo pāceti gocaraṃ ।
Evaṃ jarā ca maccu ca āyuṃ pācenti pāṇinaṃ ॥
यथा दण्डेन गोपालो गावो पाचेति गोचरं ।
एवं जरा च मच्चु च आयुं पाचेन्ति पाणिनं ॥

(d) Yassa pāpaṃ kataṃ kammaṃ kusalena pithīyati ।
So'maṃ lokaṃ pabhāseti abbhā muttova candimā ॥
यस्स पापं कतं कम्मं कुसलेन पिथीयति ।
सो'मं लोकं पभासेति अब्भा मुत्तो व चन्दिमा ॥